॥ ॐ ॥ श्री गुरुचरण कमलेभ्यो नमः ॥ 卐 ॥

मकर संक्रान्ति

बुधवार, दि. 14.01.2026
श्री निखिल चेतना केन्द्र, पुलिमामिडी, हैदराबाद (तेलंगाणा)

पर्वकाल समय - 03:06 PM से सुर्यास्त तक

इस वर्ष अर्थात् शालीवाहन शक 1947, पौष कृष्ण एकादशी, बुधवार 14.01.26 को दोपहर 03:06 को सुर्य मकर राशी मे प्रवेश करते है। इसलिए इस पर्व को 03:06 PM से सुर्यास्त तक मनाना योग्य है।

संक्रान्ति के पर्व काल मे जन्म नक्षत्र फल के अनुसार निम्न कार्य करना विशेष फलदायक होता है।

अ क्र	जन्म नक्षत्र	क्या करे	क्या ना करे	उपासना मन्त्र
1	अश्विनि, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा	सात घोडे से युक्त सुर्य भगवान की प्रतिमा (यंत्र) दान करे या स्फटिक शिवलिंग पर नाग रख कर दान करे।	पिले वस्त्र ना पहने। केशर का तिलक ना करे।	सुर्य अथर्वशीर्ष का पाठ करे।
2	पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा	शेर पर बैठी हुई देवी (वैष्णो देवी) की प्रतिमा दान करे। कुमारिका को केसर का तिलक कर पायस का (खीर) दान करे।	पिले वस्त्र ना पहने। मोती ना पहने। सर्प आदि मुर्तिओंका दान ना करे।	आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करे।
3	मघा, पुर्वा, उत्तरा, हस्त, चित्रा, स्वाति	गाय को चारा प्रदान करे। केसर का तिलक करे। पायस भक्षण करे।	पिले वस्त्र ना पहने। मोती ना पहने। जवा पुष्प का उपयोग ना करे।	"ॐ ह्रीं घृणिः सुर्य्याय आदित्याय नमः" मन्त्र का बारह (12) माला जप करे।
4	विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा	तिल से भरा पात्र दान करे। घरेलु बर्तन दान करे। वस्त्र दान करे। घोडे की तेरह (13) मुर्तियाँ दान करे।	पिले वस्त्र ना पहने। स्टील की वस्तुओंका भी दान ना ले। वस्त्र भी दान मे ना ले।	चाक्षुष्मति स्तोत्र का बारह (12) पाठ करे।
5	मुला, पुर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शततारका	काले या निले वस्त्र स्टील के पात्र मे रख कर तिल के साथ दान करे और केसर का दान करे।	पिले वस्त्र ना पहने। कुमारी पुजन ना करे। पायस न खाये, ना दान करे।	"ॐ भास्कराय च विद्महे सहस्त्र किरणाय धिमही तन्नो सुर्य्य प्रचोदयात्" मन्त्र का तेरह (13) माला जप करे।
6	पूर्वभाद्रपदा, उत्तरभाद्रपदा, रेवती	ताम्रपत्र मे किंचित् स्वर्णदान करे। घरेलु बर्तन ताम्र या स्टील के पात्र दान करे। कुमारी को पायस दान करे। पिले वस्त्र दान करे।	पिले वस्त्र ना पहने। वस्त्र घोड़ा गाय आदि की मुर्तियों का दान ना ले।	स्वर्ण की सुर्य मुर्ति के सामने एकसौ आठ(108) सुर्य अर्थवशिर्ष का पाठ कर उसका दान करे।

दान संकल्प - देशकाल का कथन कर के, मम आत्मनः सकल पुराणोक्त फल प्राप्त्यर्थ श्री सवितृ प्रिति द्वारा सकल पाप क्षम पुर्वक स्थिर सौभाग्य, कुलाभिवृध्दि, धन-धान्य, समृद्धि, दीर्घायु महाऐश्वर्य मंगलाभ्युदय सुख संपदादि कल्पोक्त फल सिद्धये अस्मिन् मकर संक्रमण पुण्यकाले ब्राह्मणाय (अमुक दान) दानं करिष्ये।

दान के वस्तु के साथ दक्षिणा प्रदान करे। शुभ फल मिलेगा।

शुभं भवतु.....

भवदीय

श्री निखिल चेतना केन्द्र हैदराबाद (तेलंगाणा)

मोबाईल- 9391029811, 9849069834.